जींस पर कैंची चलाई केप्री बनाई

फैशन का सबसे बड़ा मजा यही है कि जो भी प्रयोग कर लो, वह नया फैशन बन जाता है। जींस पहनना तो अब सामान्य बात है, पर अगर जींस काटकर आधी कर ली तो वह फैशन है। केप्री में आजकल यही प्रयोग चल रहा है।

इसे कहते हैं समझदारी यानी हींग लगे न फिटकरी और रंग चोखा। लड़कियों ने बदलते फैशन में खुद को कुछ इसी तरह ढाला है। वे अपने वार्डरोब में से पुरानी जींस निकालकर केप्री बनाने के लिए दर्जी को दे देती हैं। इतना ही नहीं, लड़कियों की मांग पर दर्जी केप्री को और अधिक फैशनेबल दिखाने के लिए उसमें डिजाइन भी बना देते हैं। कम पैसों में जहां केप्री बनकर तैयार हो जाती है, वहीं लड़कियों के पास घर से बाहर पहनने के लिए अधिक कपड़ों का विकल्प हो जाता है। मार्केट में यदि केप्री खरीदने जाओ तो लोकल केप्री 300-400 रुपए तक आएगी, लेकिन अगर ब्रांडेड केप्री खरीदनी है तो कम से कम आपकी जेब से 1500 से 2000 रुपए आसानी से झटक जाएंगे, लेकिन शहर की युवा लड़कियां कम दाम में अपने लिए केप्री तैयार करवा रही हैं, वह भी बिलकुल नए अंदाज में। एमबीए की छात्रा रैना ने बताया कि उसके पास ऐसी कई जींस थी, जो पुरानी स्टाइल की हो गई थी। अलमारी में वह जगह घेरने के अलावा कुछ नहीं कर रही थी। रैना ने बताया कि एक दिन बैठे हुए उसे ख्याल आया कि क्यों न उन जींस को कटवाकर केप्री बनवा ली जाए। उसने बताया कि बेहद कम पैसों में उसके पास पुरानी जींस कटवाकर 4 नई केप्री हो गई हैं। इससे पैसे बचने के साथ-साथ वार्डरोब भी थोड़ा बदल गया। चार्टर्ड एकाउंटेंसी करने वाली विभा ने बताया कि इस मौसम में जींस पहनने का मन नहीं करता है। साथ ही वह जींस पहनकर बोर हो गई। यही वजह है कि वह अपनी पुरानी दो जींस लेकर दर्जी के पास गई और उसे कटवाने के अलावा उसमें डिजाइन आदि भी बनवाए। उसने बताया कि यह सब करने में उसके बेहद कम पैसे लगे और उसके पास स्टाइलिश केप्री भी हो गई। कॉल सेंटर में काम करने वाली शिप्रा ने बताया कि उसने पिछले साल एक ब्रांडेड केप्री खरीदी, जो 1400 रुपए से भी महंगी थी।

लाड़ली के कपड़ों की खरीदारी

- सिल्क के कपड़े चिकने, मुलायम, चमकदार व पहनने में हल्के जरूर होते हैं, लेकिन ये स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त नहीं होते। अतः ये कपड़े बच्चों को न पहनाएं।
- बच्चों को खुरदरे कपड़े न पहनाएं। ऐसे कपड़े बच्चों की नरम-नाजुक त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं। छोटे बच्चों के लिए मलमल के बने वस्त्र अच्छे रहते हैं।
- कपड़ों को मुंह में डालकर चूसना बच्चों की आदत होती है। इसलिए गाढ़े रंगों के कपड़े न पहनाएं, क्योंकि उनमें हानिकारक रसायन होता है, जो बच्चे के शरीर में जा सकता है।
- काला रंग गर्मी व प्रकाश को अपने भीतर सोख लेता है, जिससे ये जल्दी तपने लगते हैं, इसलिए काले कपड़े बच्चों को न पहनाएं।
- नीले रंग के वस्त्रो का प्रयोग करें। प्रयोगों से पता चलता है कि नीला रंग बुद्धि को प्रखर करता है और शांति प्रदान करता है।
- पीला व नारंगी रंग बच्चों के लिए उपयुक्त रहता है। लेकिन बच्चा हिस्टीरिया या मिरगी से पीड़ित हो तो उसे इस रंग के कपड़े कभी न पहनाएं।
- रंग सभी सुंदर होते हैं। कुछ कपड़े सूर्य की किरण पड़ने पर शीघ्र गर्म हो जाते हैं। कुछ रंग सूर्य की किरण पड़ते रहने के बावजूद देर तक ठंडे रहते हैं।
- गाढ़ा लाल रंग मानसिक संतुलन बिगाड़ सकता है। इसलिए बच्चों को लंबे समय तक लाल रंग के वस्त्र न पहनाएं।
- गुलाबी, हरा, क्रीम, स्लेटी और मिश्रित रंग के वस्त्र बच्चों के स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त रहते हैं। हल्के रंग के कपड़े बच्चे के दिल-दिमाग पर हमेशा सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।
- प्रायः देखा गया है कि कुछ सजग महिलाएं अपने लाड़ले या लाड़ली को जूते-मोजे, टोपी आदि लगाकर एकदम फिट रखती हैं। ये सब थोड़ी अवधि के लिए तो ठीक हैं, लेकिन लंबे समय तक ऐसा किया जाए तो इससे बच्चे के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
- माताओं को अपने बच्चों के लिए वस्त्रों का चयन करते समय यह बात ध्यान में रखना होगी कि जो वस्त्र वह उसे इतने प्यार से पहना रही हैं, वे उसके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल हैं या नहीं। आपके लाड़ले या लाड़ली के स्वास्थ्य से बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता। वस्त्रों के चयन के मामले में बच्चे के स्वास्थ्य से कोई समझौता न करें।

बच्चों को स्वप्निल सौन्दर्य का लिबास पहनाते हुए प्रायः माताएं यह ध्यान रखना भूल जाती हैं कि बच्चों को पहनाए जाने वाले वस्त्रों से स्वास्थ्य का भी नाता होता है। बच्चों के कपड़ों का चुनाव करते वक्त आप इन बातों का ध्यान रखें...

स्वाद बढ़ाने के लिए आजमाएं

- मूली प्रयोग करने पर उसके पत्तों को नहीं फेंके। उन पत्तों को बारीक काटकर उसकी भूजिया बना सकते हैं।
- पुदीना जिन दिनों खूब आता है, उसकी पत्तियां सूखा कर रख लें। बाद में उन्हें रायते, दाल, सब्जी के ऊपर डालने के लिए प्रयोग में लाएं।
- घर पर थोड़ी बहुत बची हुई हरी सब्जियों को आप नमकीन दलिया और खिचड़ी बनाते समय प्रयोग में ला सकते हैं। इससे बची सब्जियों का प्रयोग और दलिए, खिचड़ी का पोषण भी बढ़ जाएगा।
- यदि आप घर पर दूध से पनीर बना रहे हैं तो घर पर नींबू न होने पर उबलते दूध में दही डालकर फाड़ने से अच्छी पनीर बन जाएगा।
- रसेदार भिन्डी लेस वाली न बने, इसके लिए भिंडी को लम्बा काट कर हल्का सा नमक छिड़क लें। अब उस भिंडी को घी या तेल में फ्राई कर लें। फ्राई करने के बाद मसालेदार भिन्डी बनायें।
- अरबी लिसलिसी न बने, उसके लिए अरबी को धोकर सुखा लें। फिर हाथों पर सरसों का तेल लगाकर अरबी छीलें और स्टिर फ्राई करके बनायें। अरबी में लिसलिसापन नहीं रहेगा।
- लौकी के कोफ्ते नरम बनाने के लिए लौकी को घिसकर बेसन, नमक, मिर्च मिलाकर अच्छी तरह फेंटें। उसमें कुछ मोटा टुकड़ा आने पर उसे अलग कर लें। अच्छी तरह फेंटने पर गोल कोफ्ते बनाकर धीमी आंच पर तल लें।
- पराठों को कुरकुरा बनाने के लिए आटे में थोड़ी सी सूजी मिलाकर दूध में गूंथें। धीमी आंच पर परांठा सेंकने से पराठा स्वादिष्ट व कुरकुरा बनता है।
- रसेदार राजमां सर्व करते समय उस पर थोड़ी सी मलाई डालें। राजमां बहुत लजीज लगेंगे।
- जब भी काफी शेक बनाएं, उसे आकर्षक बनाने के लिए चाकलेट पाउडर छिड़कें। काफी आकर्षक और स्वादिष्ट बनेगी।
- बची हुई ब्रेड को सूखा कर बेसन में घोलते समय डालें। पकौड़े कुरकरे बनेंगे।
- मकई की रोटी बनाते समय या पापड़ बेलते समय मुश्किल हो रही हो तो पेड़े को या लोई को पॉलिथीन में रखकर बेलें। आसानी से बेले जाएंगे।
- आम के अचार का मसाला बचने पर तेल और मसाले को हल्का गर्म कर उसमें उबले आलू के टुकड़े मिलाएं। इसे कुछ देर तक भूनें। स्वादिष्ट आलू तैयार हो जाएंगे।
- दाल फ्राई को अधिक गाढ़ा करने के लिए एक कप उबली दाल को मिक्सी में फेंट लें और बाकी दाल में मिला दें। दाल गाढ़ी हो जाएगी।
- कस्टर्ड को अधिक स्वादिष्ट बनाने हेतु चीनी के साथ एक चम्मच शहद मिलायें।
- बिस्किट, केक बनाते समय बेकिंग पाउडर के स्थान पर दही का प्रयोग करें।

घर में खाने पीने की ऐसी तमाम चीजें बच जाती हैं जिन्हें हम फेंक देते हैं, लेकिन थोड़ी सी जानकारी से हम बची हुई चीजों का उपयोग कर कुछ और भी नया बना सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे

मौसम के चढ़ते पारे के साथ ही फैशन का पारा भी तेज हो गया है। गर्मी से बचने व स्टाइलिश दिखने के लिए फैशन डिजाइनरों ने अपने तरीके से रास्ता निकाला है। यानी आप इस हॉट मौसम को अपने ड्रेस से कूल-कूल का अहसास कर सकती हैं। गर्मी से बचने के लिए मार्केट में तमाम एसेसरीज आ चुकी हैं, जिनमें हैट्स, कोट्स, ग्लव्ज, गॉगल्स और स्कार्फ शामिल हैं। इनमें स्टाइल का पूरा ध्यान रखा गया है, ताकि आपको गर्मी से प्रोटक्शन के साथ स्पेशल स्टेटमेंट भी मिल सके।

समर प्रोटेक्शन का स्टाइलिश फंडा

गर्मियों में सबसे जरूरी होता है धूप से बचना है और साथ ही ठंडेपन का अहसास वह भी स्टाइल से बिना समझौता किए। आप को लग रहा होगा कि ये दोनों चीजें साथ-साथ नहीं हो सकती, लेकिन ऐसा नहीं है। फैशन डिजाइनरों ने आप के लिए तमाम तरह के प्रयोग कर गर्मी से प्रोटक्शन व एक से बढ़कर एक स्टाइलिश ड्रेस लांच किए हैं।

समर कोटस

आप सोच रहे होंगे कि गर्मी में कोट का भला क्या काम, लेकिन ऐसा नहीं है। गर्मी को ध्यान में रखकर विशेष प्रकार के कोट मार्केट में उपलब्ध हैं। इन दिनों मार्केट में कई डिजाइंस के समर कोट्स आ रहे हैं, जो आपको गर्मी से बचाएंगे। इनका लुक काफी स्टाइलिश है। चेक्स, फ्लॉवर, प्रिंट, लाइनिंग, प्लेन, कार्टून प्रिंट्स आदि में ये आपको कई स्टाइल में मिल जाएंगे। कलर्स की बात करें, तो ये लाइट शेड्स में अधिक पसंद किए जा रहे हैं। पिंक, ब्लू, लाइट ग्रीन, येलो, ग्रे, लाइट ब्राउन, पर्पल की डिमांड अधिक है। इनमें भी गर्ल्स को कार्टून व फ्लॉवर प्रिंट्स ज्यादा पसंद आ रहे हैं, जबकि वहीं वर्किंग वूमन चेक्स व प्लेन कोट्स प्रिफर कर रही हैं। समर को ध्यान में रखकर मार्केट में तीन तरह के समर कोट्स आ रहे हैं। पहला तो सिंपल डिजाइन वाला है, जिसमें सामने दो पॉकेट हैं। दूसरा लॉन्ग कोट है, जो घुटने से थोड़ा ऊपर तक रहता है और तीसरे स्टाइल में कोट में कॉलर के साथ स्कार्फ अटैच्ड है।

ऑर्गेनिक ड्रेसेस

इस मौसम में अधिकतर महिलाएं 100 प्रतिशत कॉटन के ड्रेस ही पहनना पसंद करती हैं। इसमें भी ऑर्गेनिक कपड़ों की मांग बढ़ती जा रही है। ऑर्गेनिक कपड़ों में वेजिटेबल डाइज का इस्तेमाल होता है। वैसे, इनमें ब्राइट की बजाय हल्के वर्क और हल्के कलर्स वाली ड्रेसेस अधिक पसंद की जा रही हैं।

राउंड शेप हैट्स

धूप से बचने के लिए मार्केट में कई डिजाइंस की समर हैट्स आ रही हैं। इन्हें खास स्टाइल स्टेटमेंट के हिसाब से पेश किया गया है। गर्ल्स के बीच राउंड शेप की हैट्स भी काफी पसंद की जा रही है। यह न केवल धूप से बचाती है, बल्कि प्रोटक्शन देती है। यह दिखने में भी काफी सुंदर लगती है। समर हैट्स के कई पैटर्न इन दिनों आ रहे हैं, जिनमें स्पोर्ट्स हैट, राउंड हैट, हाफ ओपन हैट आदि खास हैं। राउंड हैट में जूट से बनी हैट ट्रेंड में है। गर्मी के हिसाब से कॉटन से बनी डिफरेंट डिजाइंस की हैट्स का भी खूब क्रेज है। इसके अलावा क्रोशिए से बनी डिफरेंट कलर्स वाली हैट्स भी खूब पसंद की जा रही है।

खास गलव्स

धूप से हाथों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिफरेंट डिजाइंस व कलर्स में ग्लव्स आ रहे हैं। इसमें फुल व शॉर्ट दोनों शामिल हैं। स्कूटी चलाते समय हाथों को तेज धूप से बचाने के लिए आ रहे इन ग्लव्स में कई तरह के कलर्स जैसे रेड, मैरून, ग्रीन, ब्राउन, वाइट, पिंक आदि आ रहे हैं।

स्टाइलिश गॉगल्स

सूरज की तेज किरणों और सड़क पर उड़ती धूल से आंखों को बचाने के लिए गॉगल्स को आंखों के सुरक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल होता है। आज गॉगल्स सिर्फ आंखों की सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि ट्रेंडी लुक पाने के लिए भी यूथ की पहली पसंद है। इसमें ब्रांडेड कंपनियों के गॉगल्स अधिक पसंद किए जा रहे हैं।

वेस्टर्न सूट

इस सीजन में वेस्टर्न सूट का ट्रेंड बिल्कुल बदला बदला सा है। इसमें ड्रेपिंग खास है। वहीं टॉप्स में बलून कुर्तियां, जो एबडॉमेन के हिस्से में काफी ढीली होती हैं, थोड़ा हटकर हैं। यह बहुत पसंद की जा रही हैं।

अनारकली पैटर्न

सूट्स में अनारकली पैटर्न का क्रेज अभी भी कायम है, वहीं टॉप्स में बलून पैटर्न और ड्रेपिंग सूट्स बाजार में बिल्कुल नए हैं। वेस्टर्न और ट्रेडिशनल ड्रेसेस में नए पैटर्न आए हैं , लेकिन फैब्रिक में वही कॉटन, जूट, लिनन और शिफॉन इस्तेमाल हो रहा है।

हैरम पैंट

समर्स में कम्फर्टेबल व कूल ड्रेसेज अच्छी लगती हैं। ऐसे में हैरम पैंट्स और रैप अराउंड आजकल खूब चलन में हैं। इन्हें शॉर्ट कुर्तों और टी - शर्ट्स, दोनों के साथ पहना जा सकता है। हैरम पैंट स्टाइलिश लुक देने के साथ ही कूल-कूल का अहसास भी करता है। इसे पहनने पर अरेबियन लुक की झलक मिलती है।